



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

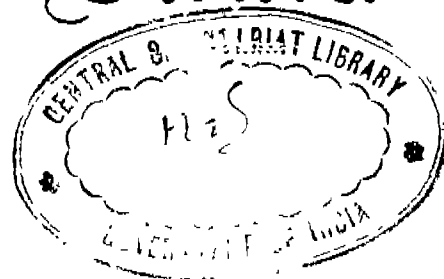
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 89 ]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 28, 2001/चैत्र 7, 1923

No. 89]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 28, 2001/CHAITRA 7, 1923

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मार्च, 2001

अंतिम जांच परिणाम

**विषय :** कोरिया और इंडोनेशिया से पालिस्टर फिल्म के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम

सं. 13/1/2000-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 14 अगस्त, 2000 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था;

- (ii) पैरा 11(i) आयातों की मात्रा एवं बाजार के तहत निष्कर्षों के बारे में दिनांक 6 नवंबर, 2000 की अधिसूचना के द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों में शुद्धि-पत्र जारी किया गया था;
- (iii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
- (iv) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति कोरिया गणराज्य और इंडोनेशिया के दूतावासों को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार भेजने की सलाह दी जाए ।
- (v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से 7 दिसंबर, 2000 को प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था । इसके अलावा, मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था । पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
- (vi) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल निरीक्षण हेतु उपलब्ध कार्रवाई थी;
- (vii) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें पहले अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है, का संक्षिप्तता के कारण

इसमें दोहराया नहीं गया है। परन्तु तबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में विचार किया गया है।

(viii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार, इन निष्कर्षों के लिए विचारित अनिवार्य तथ्यों/आधार को ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के समक्ष प्रकट किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है;

(ix) जांच अवधि में 1 अप्रैल, 1998 से 30 सितंबर, 1999 (18 महीने) तक का समय शामिल है।

(x) इस अधिसूचना \*\*\*\* से हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना प्रदर्शित होती है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है।

## ख. विभिन्न हितबद्ध पक्षों के विचार

### (ख.1) याचिकाकर्ताओं के विचार

### 2.0. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पालिथिलीन टर्फथालेट फिल्म है जो बाजार की भाषा में पालिस्टर फिल्म के नाम से प्रसिद्ध है और जिसका उल्लेख इन जांचों में पालिस्टर फिल्म के रूप में किया गया है। पालिस्टर फिल्म एक उच्च निष्पादन द्विअक्षोन्मुख, पालिथिलीन टर्फथालेट रेजिन से निर्मित विशेष फिल्म है (जिसे आमतौर पर पी ई टी चिप्स के नाम से जाना जाता है) पी ई टी चिप्स का उत्पादन डिमेथाइल टर्फथालेट (डी एम टी के रूप में ज्ञात) अथवा पालिथिलीन नर्फथालेलिक एसिड (पी टी ए के रूप में ज्ञात) और मोनो-एथिलीन ग्लाइकोल (एम ई जी के रूप में ज्ञात) से किया जाता है। इस प्रकार के चिप्सों का प्रयोग करते हुए उत्पादित पालिस्टर फिल्म में कोई खास अंतर नहीं है।

2.1 पालिस्टर फिल्म की विशेषताओं में उच्च तननता बल, उत्तम परिमाण स्थिरता, कम आद्रता अवशोषण, (-) 70 डिग्री से. से 150 डिग्री से. तक व्यापक तापमान पर भौतिक लक्षणों को बनाए रखना, उत्तम इलैक्ट्रीक लक्षण और उत्तम ऑप्टिकल स्पष्टता शामिल है। इसका उत्पादन व्यापक रूप एवं किस्मों में किया जाता है जिनका उपयोग व्यापक अंतिम उपयोगों/संघटकों में किया जाता है।

2.2 सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम में पालिस्टर 3920.69 के अंतर्गत आता है। पालिस्टर फिल्म की किस्म को छोड़कर सभी केवल एक सीमा शुल्क वर्गीकरण के अंतर्गत आते हैं। भारतीय टैरिफ वर्गीकरण (सुमेलीकृत वस्तु वर्णन एवं कोडिंग प्रणाली पर आधारित) में अंतिम प्रयोग के आधार पर पालिस्टर फिल्म को तीन श्रेणियों में विभक्त किया गया है।

2.3 याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि विपक्षी हितबद्ध पक्षों द्वारा जो प्रमुख मुद्दे उठाए गए थे वे हैं-

- 1) कि अनेक विभिन्न उत्पादों की जांच की जा रही है और प्रत्येक उत्पाद की अनेक भिन्न भिन्न किस्में हैं।
2. उनकी याचिका में, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना और प्रारंभिक निष्कर्षों में विचाराधीन उत्पाद पालिस्टर फिल्म है। यह कहना बहुत गलत होगा कि ये तीन विभिन्न किस्में अर्थात् 3920.6903, 3920.6904 और 3920.6905 पालिस्टर फिल्म की नहीं है। वस्तुतः स्वतः आई टी सी वर्गीकरण में स्वतः ही तीन कोडों के तहत वर्गीकरण के रूप में पालिस्टर फिल्म के बारे में बताया गया है। सन/डस्ट के लिए प्रयुक्त फिल्म कोई और नहीं बल्कि पालिस्टर फिल्म ही है। इसके अलावा, कैपेसिटर, ऑडियो, वीडियो और अन्य प्रयोगों में प्रयुक्त फिल्में पालिस्टर ही हैं। वस्तुतः इन सभी फिल्मों का निर्माण इसी कच्ची सामग्री अर्थात् से किया जाता है, पेटचिप्स और इसी विनिर्माण प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जाता है।

3. यूरोपीय संघ पाटनरोधी शुल्कों के लिए भारत और कोरिया के खिलाफ इसी उत्पाद की जांच कर रहा है। इस जांच में वर्णित उत्पाद पालिस्टर फिल्म है जिसके तत्व एवं अंतिम प्रयोग में कोई अंतर नहीं है।
4. विभिन्न किस्मों में अंतर करने के मापदंड पर इस उत्पाद के उपयोग/तत्व पर विचार करने में विपक्षी हितबद्ध पक्ष स्वयं भ्रमित हुए हैं।
- 2.4 याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि यद्यपि यह प्रशंसनीय है कि यूरोपीय संघ ने अनेक मामलों के आधार पर उत्पाद की किस्में परिभाषित की हैं तथापि इस बात को नोट करने की जरूरत है कि इन विभिन्न किस्मों को ड्रमिंग और ड्रमिंग मार्जिन के परिकलन के प्रयोजनार्थ ही परिभाषित किया गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने तुलना एवं गणना के प्रयोजन से इस फिल्म को तीन भागों में बांटा है। तथापि, तीन भिन्न भिन्न किस्मों के लिए पृथक् तुलना एवं गणना करने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विभिन्न किस्मों पर तीन विभिन्न शुल्कों की सिफारिश की है।
- 2.5 यूरोपीय संघ और अमरीका द्वारा की गई जांचों की ओर निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान आकर्षित किया जाता है। इन मामलों में शामिल उत्पाद एक एमान है। विभिन्न किस्मों के लिए पृथक् तुलना एवं परिकलन करने के बाद यूरोपीय संघ और अमरीका ने पाया है कि सभी पालिस्टर फिल्म एक एमान उत्पाद है और अंत में केवल सिफारिश/शुल्क लगाया है।

#### 2.6 विभिन्न किस्मों की अदला-बदली

याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि यद्यपि इस तथ्य का खंडन नहीं किया जा सकता है कि विभिन्न किस्में आमतौर पर विभिन्न उपयोगों के लिए हैं (वस्तुतः ऐसे निष्कर्ष हैं कि विभिन्न किस्मों का हमेशा स्वतः प्रतिस्थापना नहीं किया जा सकता है) तथापि उन्होंने अनुरोध किया है कि यह बिल्कुल संभव है कि कैपेसिटर, केबल इन्सुलेशन, पैकेजिंग उपयोग में इलैक्ट्रीकल प्रयोग के निमित्त किसी पालिस्टर किस्मों का प्रयोग किया जा सकता है और वास्तव में ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें इनका पारस्परिक प्रयोग किया गया है।

#### 2.7 सामान उत्पाद

भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित पालिस्टर फिल्म और संबद्ध देश से निर्यातित पालिस्टर फिल्म में कोई खास अंतर नहीं है।

भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से आयातित पोलिस्टर फिल्म भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, काय एवं उपयोग उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वस्तुओं का वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय है । ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं ।

2.8 याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि समान वस्तु के मामले पर विचाराधीन उत्पाद के मद्देनजर विचार करना होता है । विचाराधीन उत्पाद को पोलिस्टर फिल्म के रूप में परिभाषित करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह देखा जाना आवश्यक है कि क्या घरेलू उद्योग समान वस्तु का उत्पादन करता है । आगे यह अनुरोध किया गया है कि समान वस्तु की परिभाषा समान तथा समनुरूप वस्तु तक सीमित नहीं करनी होती है जौ कि विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए जाने वाले तर्क से प्रतीत होता है । नियम 2(घ) ।

2.9 घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि समी उत्पादकों के संबंध में पाटन मार्जिन को पैरा 2, अनुबंध-1 के अनुसार पुनर्निर्धारित किया जाए ।

2.10 पी टी कोलोन, इंडोनेशिया: निर्दिष्ट प्राधिकारी ने यह पाया है कि इस कंपनी के लिए पाटन मार्जिन 19.3 % है । यह अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन काफी कम है । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ कंपनी द्वारा किए गए सही दावों की अनुमति दी है । कंपनी द्वारा किए गए दावों का खासकर पाटन मार्जिन कम होने के कारण सत्यापन किए जाने की जरूरत है । कंपनी ने घरेलू बाजार में की गई बिक्री के सौदेवार ब्यौरे उपलब्ध करवाए हैं । अनुरोध है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 (पैरा 2) के अनुसार किया जाना चाहिए, जिसमें यह व्यवस्था है कि घरेलू बाजार में बिक्री कीमत का निर्धारण करते समय घरेलू बाजार में किए गए ऐसे सौदों पर व्यापार के सामान्य रूप में किए गए सौदों के रूप में विचार नहीं किया जाना चाहिए जो उत्पादन लागत से कम पर किए गए हैं ।

- 2.11 याचिकाकर्त्ताओं ने यह भी अनुरोध किया है कि प्रारंभिक निष्कर्षों से यह स्पष्ट नहीं होता है कि क्या प्राधिकारी ने बिक्री कीमत की तुलना उत्पादन लागत से की है और यह सुनिश्चित नहीं होता है कि घरेलू बाजार में की गयी बिक्रियां व्यापार के सामान्य रूप में थीं। भारतीय बाजार में प्रचलित इंडोनेशियाई कीमतों पर विचार करने पर यह प्रतीत नहीं होता है कि इंडोनेशियाई उत्पादकों ने भारत के मामले में मुनाफे पर बिक्री की होगी। अतः इससे यह निष्कर्ष निकलेगा कि या तो उनकी घरेलू कीमतें काफी अधिक हैं या फिर इंडोनेशियाई उत्पादकों ने भारी घाटा उठाया है।
- 2.12 कोलोन इंडस्ट्रीज इंक, कोरिया: याचिकाकर्त्ताओं ने उल्लेख किया है कि कंपनी द्वारा घरेलू कीमतों में से अनेक दावे किए गए हैं। उन्हें इन दावों के लिए दिए गए औचित्य और इस बात की जानकारी नहीं है कि क्या दावा की गयी उक्त छूट उपयुक्त और उचित है। तथापि, यह सुनिश्चित करना अपेक्षित है कि प्रत्येक सौदे के संबंध में निवल बिक्री कीमत उत्पादन लागत से अधिक है।
- 2.13 जहां तक निर्यात कीमत का संबंध है, यह अनुरोध किया जाता है कि निर्यातक ने संबद्ध देश और/अथवा भारत में किसी व्यापारी को अदा किए गए कमीशन के लिए किसी व्यय का प्रकटन नहीं किया है। अनुरोध है कि भारतीय और कोरियाई एजेंटों के संबंध में व्यय की तरफ प्रत्येक के लिए 3 % की दर से कमीशन प्रदान करना अपेक्षित है।
- 2.14 सेहन इंडस्ट्रीज इंक, कोरिया: याचिकाकर्त्ताओं ने अनुरोध किया है कि टोरे सेहन और सेहन इंडस्ट्रीज की यह शिकायत है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इन दोनों कंपनियों के लिए पाटन माजिन और शुल्कों के समान स्तर की अनुचित ढंग से व्यवस्था की है यद्यपि दोनों कंपनियां अलग-अलग और स्वतंत्र कंपनियां थीं। चूंकि टोरे सेहन (टी एस आइ) ने जांच अवधि में निर्यात नहीं किया था और सेहन इंडस्ट्रीज के मौजूदा कारोबार को अपने हाथ में

ले लिया था और चूँकि कंपनी से स्वयं यह स्वीकार किया है कि वह नियम 22 के अंतर्गत आती है, इसलिए अनुरोध है कि कंपनी पर शुल्क का वही स्तर लागू नहीं होना चाहिए जैसा कि सेहन इंडस्ट्रीज पर लागू किया गया है।

### (बी-11) मै0 टोरे सेहन इंक. (टी एस आई)

#### कोरिया

3.1 अपने हितों का निष्पक्ष और समुचित ढंग से बचाव करने के लिए टी एस आई के संबंध में प्रारंभिक निष्कर्षों की विषय वस्तु का अपर्याप्त रूप से ब्यौरा दिया गया है। टी एस आई का विचार है कि प्राधिकारी के प्रारंभिक निष्कर्षों वाली अधिसूचना संबंधी दस्तावेज भारत के सीमाशुल्क टैरिफ नियम और डब्ल्यू टी ओ के पाटनरोधी करार, दोनों का उल्लंघन करता है।

3.2 प्राधिकारी ने इस बात को उजागर करने वाले तथ्यपरक पहलुओं की अनदेखी की है कि टी एस आई और सेहन पूर्णतया भिन्न कंपनियाँ हैं जो भिन्न-भिन्न निर्यात और उत्पादन कार्य नीतियों का अनुपालन कर रही हैं जबकि वर्तमान कारवाई में टी एस आई को अलग कंपनी नहीं माना गया है। दोनों कंपनियों के बीच अंतर स्पष्ट तौर पर इस प्रकार का है जिससे कि सीमाशुल्क टैरिफ नियम के नियम 23(1) के अनुसार पाटनरोधी उपाय को किसी भी तरीके से लागू करने की समीक्षा अपेक्षित होगी।

3.3 विडियो और कैपेसिटर प्रयोगों के लिए पी इ टी फिल्मों का विनिर्माण करने वाली किसी स्थापित भारतीय उद्योग के अभाव का तात्पर्य यह है कि ऐसे आयातों के परिणामस्वरूप भारतीय पी इ टी फिल्म उद्योग को कोई क्षति नहीं हो सकती। इसलिए, सीमाशुल्क टैरिफ नियमों के नियम 11(1) के अनुसार इन उत्पादों के आयातों की मौजूदा कारवाई से बाहर रखा जाए।

3.4 ग्राफिक, विडियो, कैपेसिटर और आडियो फिल्म का एक समूह में श्रेणीकरण करना वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ सीमित और भ्रामक है और यह संबंधित उत्पादों के सामान्य मूल्य और निर्यात



कीमत के बीच उचित तुलना करने के लिए असंगत है। इसलिए प्राधिकारी को सभी चारों उत्पादों को लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन की गणना करनी चाहिए।

3.5 जांच अवधि के दौरान अमरीकी डालर की तुलना में कोरियाई वोन में हुए भारी अवमूल्यन से सततगामी मुद्रा संबंधी उतार-चढ़ाव के मापदंड की स्पष्ट रूप से पूर्ति होती है। इसलिए प्राधिकारी को सीमाशुल्क टैरिफ नियमों के अनुसार सततगामी मुद्रा संबंधी उतार-चढ़ाव के लिए निर्यात कीमत में समायोजन हेतु सेहन के दावे को स्वीकार करना चाहिए।

**3.6 विडियो और कैपेसिटर फिल्म को जांच से अलग न करना:** प्राधिकारी ने 9 माइक्रोन के तहत पी इ एल फिल्मों के आयातों की जांच से इस आधार पर अलग नहीं रखा है कि इस माप की फिल्मों के उत्पादन हेतु कोई घरेलू विनिर्माण की सुविधा मौजूद नहीं है। तथ्य, प्राधिकारी ने टी एस आइ/सेहन और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत इस आशय के साक्ष्य के बावजूद भी विडियो और कैपेसिटर प्रयोगों में प्रयुक्त पी इ टी फिल्मों के आयातों को जांच से अलग नहीं रखा कि ऐसी फिल्मों को इन्हीं कारणों से अलग रखा जाना चाहिए जिससे मोटाई में 9 माइक्रोन के तहत फिल्मों को अलग रखना न्यायोचित ठहरता है।

**3.7 सामान्य मूल्य:** प्राधिकारी ने अधिसूचना में यह बताया था कि उसने संभावित सत्यापन के अधीन रहते हुए (ए) और (सी) दोनों प्रकार की फिल्मों के लिए दावा की गयी सभी छूटों को स्वीकार किया है। सामान्य मूल्य की गणना के संबंध में किसी अन्य सूचना अथवा स्पष्टीकरण के अभावे में टी एस आइ ने यह मान लिया है कि समायोजनों को पूर्णतया स्वीकार कर लिया गया है।

**3.8 निर्यात कीमत:** सामान्य मूल्य की गणना के अनुसार प्राधिकारी ने निर्यात कीमत हेतु दावा किए गए सभी समायोजनों को स्वीकार किया। तथापि, व्यापार के स्तर और सततगामी मुद्रा संबंधी उतार-चढ़ाव हेतु छूट को अस्वीकृत किया गया था। ऐसे कोई कारण नहीं दिए गए थे कि क्यों इन समायोजनों को स्वीकार नहीं किया गया है।

**क्षति के निर्धारण के संबंध में :**

3.9 यदि प्राधिकारी ने क्षति संबंधी कारण की जांच की होती तो उन्हें यह पता चला होता कि भारतीय आयातों का भारतीय घरेलू बाजार में सबसे कम हिस्सा है। 1998-99 के लिए प्राधिकारी द्वारा और शिकायतकर्ताओं द्वारा मुहैया किए गए आंकड़ों से यह पता चलता है कि कोरिया से हुए आयातों की मात्रा पी ई टी फिल्म के भारतीय बाजार की लगभग 4 % बनती है। इसका मतलब यह है कि 1998-99 में कोरिया से हुए आयातों की खपत से घरेलू भारतीय मांग का अधिक से अधिक केवल 4 % ही पूरा किया गया था। ये तथ्य, जो प्राधिकारी द्वारा प्रस्तुत कुल आयात आंकड़ों और शिकायतकर्ताओं द्वारा उद्घाटित किए गए उत्पादन और निर्यात आंकड़ों से उत्पन्न हुए हैं, स्पष्ट तौर पर यह प्रदर्शित करते हैं कि कोरियाई आयातों से भारतीय पी ई टी फिल्म उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाई जा सकती है।

3.10 प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया से पी ई टी फिल्म की कीमत पिछले तीन वर्षों से निरन्तर गिर रही हैं। तथापि, यह तथ्य कि आयातों के कीमत स्तर में गिरावट आयी है, को भारी क्षति को दर्शाने के लिए स्वतः नहीं लिया जाएगा।

3.11 इसलिए भारतीय घरेलू उत्पादकों के उत्पादन और बिक्री में विशेषकर इस तथ्य के कारण कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भारी मंदी के दौर से गुजरना पड़ा है, बेहतर दर से वृद्धि हुयी है, इसलिए क्षति के संबंध में प्राधिकारी के निष्कर्ष इस दावे को पूर्णतः खण्डन करते हैं।

**3.12 कारण:-** टी एस आई ने शिकायतकर्ता को हुई किसी भी क्षति का खंडन किया है। घरेलू उद्योग को हुयी क्षति और आयातों के बीच किसी भी तरह के कारणात्मक संबंध स्थापित किए जाने का भी पूर्णतः अभाव है।

3.13 प्रारंभिक निष्कर्षों में श्रेणी सी में उत्पादों की व्यापक किस्में शामिल हैं इसमें पोलिस्टर फिल्म और विडियोग्राफिक कैपेसिटर्स और इसके अन्य प्रयोग शामिल हैं । श्रेणी सी में सम्मिलित उत्पाद वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं है । श्रेणी सी के तहत प्रत्येक उत्पाद विभिन्न अंतिम उपयोक्ता बाजार के लिए विशिष्ट है । इसलिए, एक श्रेणी के तहत उत्पाद की व्यापक किस्म का समूहबद्ध करने का कोई औचित्य नहीं है ।

#### विडियो और कैपेसिटर फिल्मों को जाँच से बाहर रखना:-

3.14 श्रेणी सी के भीतर, प्राधिकारी ने नौ माइक्रोन्स के अंतर्गत पोलिएस्टर फिल्म को जांच से इस आधार पर अलग रखा गया है कि इस नाप की फिल्म के उत्पादन के लिए कोई घरेलू विनिर्माण सुविधा मौजूद नहीं है । अतः इन उत्पादों के किसी घरेलू विनिर्माता के अभाव में यह कार्रवाई वीडियो और कैपेसिटर फिल्मों से इतर फिल्मों तक सीमित रखी जानी चाहिए ।

3.15 प्रारंभिक निष्कर्षों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का पता नहीं चलता है । घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री, कैपेसिटर इत्यादि जैसे कारकों से सकारात्मक वृद्धि के रुझानों का पता चलता है और इनसे कोई क्षति प्रदर्शित नहीं होती है । निर्यातकों ने तर्क दिया है कि कोरियाई निर्यातों के खिलाफ शुल्क लगाने या उसे जारी रखने की कोई जरूरत नहीं है । तथापि, यदि प्राधिकारी का यह विचार है कि शुल्क को जारी रखने की कोई जरूरत नहीं है तो परिवर्ती शुल्क की सिफारिश की जाए ।

3.16 टी एस आई का विचार है कि परिवर्ती शुल्कों से निर्धारित शुल्कों की अपेक्षा अधिक कारगर ढंग से पाटनरोधी कानून के लक्ष्यों की प्राप्ति हुई है ।

**(ख -III) कोलोन इंडस्ट्रीज इंक, कोरिया**

4.1 निर्यातक ने अनुरोध किया है कि कंपनी ने भारत को पैकेजिंग ग्रेड की पोलिस्टर फिल्म जो बी-ग्रेड की फिल्म है, की \*\*\* किग्रा० की बिक्री की है जो मात्रा में बहुत ही कम है। जहां तक इस अनुरोध का संबंध है कि मात्रा का प्रभाव क्षति के निर्धारण हेतु एक मार्गदर्शी कारक है, यह देखा जा सकता है कि इस प्रकार की किसी अल्प मात्रा से घरेलू उद्योग की बिक्री वृद्धि पर कोई प्रभाव अथवा उसे नुकसान नहीं पहुँच सकता।

4.2 कंपनी ने यह बात दोहराई है कि कंपनी द्वारा भारत को किए गए बी ग्रेड की पोलिस्टर फिल्म के निर्यात की कीमत उस विशिष्ट अवधि में प्रचलित अंतर्राष्ट्रीय कीमत थी। कंपनी ने दावा किया कि यह कीमत अब विद्यमान नहीं है।

4.3 13.12.2000 के अपने लिखित अनुरोध में कोलोन इंडस्ट्रीज ने उल्लेख किया था कि याचिकाकर्ता यू एस ए, पश्चिमी यूरोप इत्यादि जैसे देशों को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात कर रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए, निर्यातकों ने अनुरोध किया है कि याचिकाकर्ताओं ने संतोषजनक ढंग से विकास किया है और उन्हें कोरिया और इंडोनेशिया से हुए निर्यातों के कारण कोई क्षति नहीं हुयी है।

4.4 याचिकाकर्ताओं ने अनुरोध किया है कि वे कोरिया और इंडोनेशिया में पोलिस्टर फिल्म की कीमतों के संबंध में अथवा उक्त देश में किसी बिक्री के लिए निर्यातकों की कीमत सूची के संबंध में उचित या प्रामाणिक साक्ष्य प्राप्त करने में समर्थ नहीं हुए हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी से याचिकाकर्ताओं द्वारा परिकलित मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य पर विचार करने के संबंध में किया गया अनुरोध अस्वीकार्य है।

4.5 निर्यातक ने अनुरोध किया है कि उसने निर्यात कीमत और घरेलू बाजार कीमतें उपलब्ध करवायी है। संबंधित उत्पाद सहित कंपनी द्वारा विनिर्मित अन्य उत्पादों के समेकित आंकड़े भी कुछ विसंगति, भ्रम अथवा पत्राचार संबंधी कमी के कारण प्रस्तुत किए गए थे। प्राधिकारी ने असावधानीवश समेकित रूप में प्रस्तुत आंकड़े लिए हैं जो समग्र रूप से कंपनी के अन्य उत्पादों से संबंधित हैं। परिणामतः पाटन मार्जिन पर विचार करना होगा।

4.6 निर्यातक ने अनुरोध किया है कि यदि कंपनी द्वारा उपलब्ध करवाया गया सामान्य मूल्य स्वीकार नहीं किया जाता है तो उसके आधार और कारणों के बारे में जानने का कंपनी को अधिकार बनता है।

4.7 जहां तक घरेलू उद्योग के इस तर्क का संबंध है कि उत्पाद की कीमत में गिरावट आयी है, निर्यातक ने अनुरोध किया है कि यह गिरावट कच्ची सामग्री की कीमतों में कमी और परिणामतः विश्व भर में उत्पाद की कीमत में गिरावट के कारण आयी है।

4.8 कोलोन ने सार्वजनिक सुनवायी के लिए अपने लिखित अनुरोध में यह उल्लेख किया है कि प्राधिकारी को अपने मूल उत्तर में प्रस्तुत आंकड़ों पर ही विचार करना चाहिए क्योंकि उसमें विचाराधीन उत्पाद की निर्यात इकाई कीमत और घरेलू बाजार इकाई कीमत के सही आंकड़े दिए गए हैं। तथापि, कंपनी द्वारा प्रस्तुत अनुपूरक सूचना संबंधित उत्पाद सहित कंपनी द्वारा विनिर्मित अन्य उत्पादों के समेकित आंकड़ें हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि प्राधिकारी ने समेकित रूप में प्रस्तुत आंकड़ों को लिया है और इसके परिणामस्वरूप पाटन मार्जिन में सुधार करने की जरूरत है।

4.9 उन्होंने यह भी उल्लेख किया है कि कंपनी ने जांच अवधि के दौरान केवल एक खेप का निर्यात किया है। औसत लेने का मापदण्ड उस स्थिति में उचित हो सकता है जब भिन्न-भिन्न दरों और अवसरों पर अनेक सौदे किए गए हों।

4.10 इन तथ्यों, और परिस्थितियों को देखते हुए निर्यातकों ने अनुरोध किया है कि कंपनी के खिलाफ पाटनरोधी कार्रवाईयों समाप्त की जाएं ।

#### **(ख-iv) पी टी कोलोन, इंडोनेशिया**

5.0 निर्यातकों ने अनुरोध किया है कि कंपनी ने केवल दो प्रकार की पैकेजिंग फिल्म का निर्यात किया है । प्रस्तुत किए गए समेकित आंकड़ों की शुल्क की सिफारिश करने के प्रयोजनार्थ अनदेखी की जाए जिनमें हस्तलिखित टिप्पणी पैकेजिंग फिल्म और अन्य प्रयोग भी शामिल हैं । कंपनी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की श्रेणी सी के तहत आने वाले किसी उत्पाद का निर्यात नहीं किया है । उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि कंपनी अनेक प्रकार की फिल्मों का उत्पादन कर रही है और अन्य उत्पादों से संबंधित आंकड़े समेकित आंकड़ों में शामिल किए गए हैं । वर्तमान जांच में किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए उन आंकड़ों पर विचार न किया जाए जिनमें अन्य उत्पाद विनिर्दिष्ट किए गए हैं ।

#### **(ख- v) एलसीना के विचार**

6.1 उन्होंने उल्लेख किया है कि भारत में एक विनिर्माता (मै0 गरवारे) को छोड़कर कोई अन्य विनिर्माता आडियो ग्रेड की पोलिस्टर फिल्म का उत्पादन नहीं करता है और इसके अलावा उन्होंने उपभोक्ताओं को आडियो ग्रेड की पोलिस्टर फिल्म की त्रुटिपूर्ण गुणवत्ता और मात्रा की आपूर्ति की है । भारत में कोई भी विनिर्माता विडियो ग्रेड की पोलिस्टर फिल्म का उत्पादन नहीं करता है ।

6.2 विचाराधीन उत्पाद में कैपेसिटर, विडियो तथा आडियो ग्रेड की पोलिस्टर फिल्म शामिल होनी चाहिए ।

6.3. उन्होंने कैपेसिटर्स ग्रेड फिल्म तथा अन्य पोलीस्टर फिल्म के बीच के अंतर को दर्शाने वाला दूसरा कारक प्रस्तुत किया है। कैपेसिटर्स ग्रेड फिल्म के लिए शुल्क केवल 5% है जबकि अन्य फिल्मों पर लगने वाला शुल्क लगभग 35% है। उन्होंने यह निवेदन किया है कि 9 माइक्रॉन मोटाई की शुरूआती सीमा को बढ़ाकर 12 माइक्रोन तक किया जाना चाहिए, जो खासकर ऑडियो टेप संबंधी अनुप्रयोगों के लिए संबद्ध है।

#### ग. विचाराधीन उत्पाद

8.1 वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद कोरिया गणराज्य तथा इंडोनेशिया मूल की अथवा वहां से निर्यातित पोलीस्टर फिल्म है। पोलीस्टर फिल्म पोलीस्टर टेरेफ्थैलेट रेजिन (सामान्तया पीईटी चिप्स के नाम से जाना जाने वाला) से निर्मित उच्च निष्पादन वाली द्विअक्षीय रूप से विन्यासित एक विशेष फिल्म है। पोलीस्टर फिल्म का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है जैसे पैकेजिंग, सन/डस्ट कंट्रोल्ड पोलीस्टर फिल्म तथा अन्य औद्योगिक अनुप्रयोगों में।

8.2 पोलीस्टर फिल्म का वर्गीकरण सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के तहत किया गया है। भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेलित वस्तु विवरण तथा कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के अनुसार संबद्ध वस्तु का पूर्ण विवरण निम्नानुसार है :-

अध्याय 39 - प्लास्टिक एवं उनसे बनी वस्तुएँ

3920.6903	पैकेजिंग पोलीस्टर फिल्म
3920.6904	सन/डस्ट कंट्रोल्ड पोलीस्टर फिल्स
3920.6905	पैकेजिंग/सन/डस्ट फिल्म को छोड़कर पोलीस्टर फिल्म

तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और यह वर्तमान जांच तथा सिफारिशों के दायरे पर किसी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

8.3 जांचाधीन उत्पाद के संबंध में हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि कैपेसिटर्स ग्रेड की पोलीस्टर फिल्म को वर्तमान जांच के दायरे से अलग रखना अपेक्षित है, क्योंकि घरेलू

उद्योग की किसी भी कंपनी के पास कैपेसिटर ग्रेड की पोलीस्टर फिल्म के विनिर्माण के लिए पर्याप्त सुविधाएँ नहीं हैं। कुछेक हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह भी तर्क दिया गया है कि ऑडियो तथा वीडियो ग्रेड की पोलीस्टर फिल्मों को भी पाटनरोधी शुल्क की लेवी से अलग रखना अपेक्षित है क्योंकि घरेलू उद्योग का केवल एक विनिर्माता ऑडियो ग्रेड की पोलीस्टर फिल्म की आपूर्ति कर रहा है और वह मैग्नेटिक टेपों की सी-90 किस्म तथा वीडियो मैग्नेटिक टेपों के लिए उपयुक्त पोलीस्टर फिल्मों की आपूर्ति नहीं करता है। घरेलू विनिर्माता द्वारा आपूर्ति की गई फिल्मों की गुणवत्ता भी फिल्मों की आयातित किस्म से तुलनीय नहीं है।

### 7.0 प्राधिकारी द्वारा जांच

7.1 प्राधिकारी द्वारा इस संदर्भ की जांच की गई है। यह नोट किया गया है कि पोलीस्टर फिल्मों के विनिर्माण में माइक्रॉन के रूप में मापी गई फिल्मों की मोटाई एक महत्वपूर्ण मानदण्ड है। घरेलू उद्योग की याचिकाकर्ता कंपनियों ने 9 माइक्रॉन तथा इससे अधिक मोटाई वाली फिल्मों के विनिर्माण के लिए सुविधाएँ जुटा ली हैं। प्लास्टिक कैपेसिटर्स तथा ऑडियो एवं वीडियो ग्रेड की फिल्मों के उपयोगकर्ता उद्योगों को 9 माइक्रॉन से कम मोटाई वाली कुछेक पोलीस्टर फिल्मों की आवश्यकता होती है जिनके लिए याचिकाकर्ता कंपनियों के पास आवश्यक सुविधाएँ नहीं हैं। इसलिए प्राधिकारी यह निर्णय लेते हैं कि विचाराधीन उत्पाद में 9 माइक्रॉन से कम मोटाई वाली पोलीस्टर फिल्में शामिल नहीं हैं जिसके लिए घरेलू उद्योग के पास कोई विनिर्माण संबंधी सुविधाएँ नहीं हैं।

7.2 हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह भी तर्क दिया गया है कि पोलीस्टर फिल्म केवल एक ही उत्पाद नहीं है बल्कि इसका प्रयोग पैकेजिंग औद्योगिक अनुप्रयोग, मैग्नेट मीडिया अनुप्रयोग, सन/डस्ट कंट्रोल फिल्मों जैसे विभिन्न उद्योगों में किया जाता है। इसलिए सभी फिल्मों को पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए एक उत्पाद के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

7.3 यद्यपि पोलीस्टर फिल्म का उपयोग विभिन्न अन्त्य प्रयोगों में किया जाता है, लेकिन सभी प्रकार की पोलीस्टर फिल्मों के लिए विनिर्माण संबंधी सुविधाएँ एक जैसी तथा परस्परव्यापी हैं। चिप्स के लिए मिश्रण तथा अन्य संयोगी पदार्थों में परिवर्तन को छोड़कर पोलीस्टर फिल्म की



विनिर्माण प्रक्रिया भी समान है । तथापि, विभिन्न अन्त्य प्रयोगों के लिए पोलीस्टर फिल्मों की विशिष्टताएँ भिन्न-भिन्न हैं और पोलीस्टर फिल्मों की विभिन्न किस्मों के लिए भिन्न-भिन्न कीमत संरचनाएँ हैं ।

7.4 जहाँ तक सन/डस्ट कंट्रोल्ड पोलीस्टर फिल्म का संबंध है, प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों पर विश्वास किया है । सन/डस्ट कंट्रोल्ड फिल्म की लागत तथा कीमत संरचना अन्य प्रकार की फिल्मों की लागत तथा कीमत संरचना से भिन्न है ।

7.5 कैपेसिटर्स के लिए पोलीस्टर फिल्म के संबंध में प्राधिकारकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि मै0 वेनलोन पोलीस्टर फिल्म लि0, मैसूर द्वारा कैपेसिटर्स के लिए पोलीस्टर फिल्म का विनिर्माण किया जाता है । प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार उन्होंने वर्ष 1998-99 तथा 1999-2000 के दौरान 8 माइक्रॉन से 15 माइक्रॉन वाली कैपेसिटर ग्रेड की पोलीस्टर फिल्म का विनिर्माण किया ।

7.6 प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि क्षमता कम है, तथापि, विनिर्माण संबंधी सुविधाएँ मौजूद हैं । इस एकक ने जांच अवधि के दौरान 8 माइक्रॉन से 15 माइक्रॉन वाली कैपेसिटर ग्रेड की फिल्म का उत्पादन किया है । यह नोट किया गया है कि उत्पादक द्वारा की गई कीमत वसूली \*\*\* रु./किग्रा. से \*\*\* रु./किग्रा. के बीच है । इसके आलावा, कैपेसिटर ग्रेड के आयात 9.8 माइक्रॉन से 25 माइक्रॉन के बीच हुए हैं और कीमतें 5.50 अमरीकी डालर/किग्रा से 10.95 अमरीकी डालर/किग्रा. एफओबी के बीच हैं । इसी प्रकार जांच अवधि के दौरान 2.5 माइक्रॉन से 9 माइक्रॉन तक के कैपेसिटर ग्रेड के आयातों की कीमतें 7.50 अमरीकी डालर/किग्रा. से 33.0 अमरीकी डालर/किग्रा. के बीच रही है । इस बात के मद्देनजर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हालाँकि पोलीस्टर फिल्मों की इन किस्मों का उत्पादन देश में किया जा रहा है, फिर भी, इन पोलीस्टर फिल्मों की कीमतें अन्य पोलीस्टर फिल्मों के कीमत-स्तर से काफी अधिक हैं । इसके अलावा, वेनलोन द्वारा बेची गई पोलीस्टर फिल्म की इन किस्मों की कीमतों तथा आयातित वस्तुओं की पहुँच कीमतों से यह इंगित होता है कि इन आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है ।

तदनुसार, प्राधिकारी यह निर्णय लेते हैं कि पंजीकृत कैपेसिटर विनिर्माताओं द्वारा कैपेसिटर संबंधी

अनुप्रयोगों के लिए पोलिस्टर फिल्म की इन किस्मों के आयात के मामले में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता नहीं है, बशर्ते कि इन फिल्मों की आयातित सीआईएफ कीमतें 6.50 अमरीकी डालर प्रति किग्रा. से अधिक हो और इनकी चौड़ाई 30 मिमी. तक हो और आयातकों द्वारा सीमाशुल्क (उत्पाद-शुल्क योग्य वस्तुओं के विनिर्माण के लिए शुल्क की रियायती दर पर वस्तुओं का आयात) नियम, 1996 के तहत यथा उल्लिखित क्रियाविधि का अनुसरण किया जाए।

7.7 यद्यपि विभिन्न फिल्मों के लिए विनिर्माण संबंधी सुविधाएँ समान तथा परस्पर व्यापी हैं लेकिन विभिन्न पोलिस्टर फिल्में अपने विभिन्न अन्त्य उपयोग के कारण भिन्न-भिन्न हैं। इसलिए फिल्मों के विभिन्न अन्त्य उपयोगों तथा प्रारम्भिक निष्कर्षों में यथा निर्धारित बातों को देखते हुए प्राधिकारी ने तुलना, निर्धारण तथा शुल्क लगाए जाने के उद्देश्य से ऊपर बताए गए सीमाशुल्क वर्गीकरण के अनुसार इन फिल्मों को शीर्ष 3920.6903, 3920.6904 एवं 3920.6905 के तहत तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया है।

#### घ. समान वस्तुएं

9.1 पाटनरोधी नियमों के नियम 2(घ) में यह निर्दिष्ट है कि "समान वस्तुओं" का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो जांचाधीन उत्पाद से हर प्रकार से समान अथवा उसके समरूप हो अथवा ऐसी किसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु से है जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तुओं की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती जुलती हों।

9.2 याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित और बेची गई पॉलिएस्टर फिल्म तथा संबद्ध देशों से आयातित पॉलिएस्टर फिल्म का भारत के ग्राहकों द्वारा एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा रहा है। समूचे विश्व में इस उत्पाद के विनिर्माण की प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी मशीनरी, कच्ची सामग्री, विनिर्माण प्रक्रिया, अभिवर्द्धक जैसे छोटे अंतर को छोड़कर, एक समान है। हितवद्ध पक्षों द्वारा कैपेसीटर, आडियो और विडिओ हेतु फिल्मों को छोड़कर, जिनपर विचाराधीन उत्पाद से संबंधित पैरा में पहले ही कार्यवाही की गई है, प्रारंभिक निष्कर्षों का विरोध नहीं किया गया है।

9.3 इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित की जा रही पॉलिएस्टर फिल्म तथा संबद्ध देशों से आयात की जा रही पॉलिएस्टर फिल्म

वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय है और इसलिए वे नियमों के भीतर समान वस्तुएं हैं ।

#### ड. घरेलू उद्योग

10.1 यह याचिका घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हुए पॉलिएस्टर फिल्म इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (पंजी0) द्वारा दायर की गई है । भारत में पॉलिएस्टर फिल्म के आठ घरेलू विनिर्माता हैं । इस याचिका का समर्थन स्पष्ट रूप से पांच घरेलू उत्पादकों द्वारा किया गया है, अर्थात् : -

- (क) मै0 गरवारे पॉलिएस्टर लिमि0, मुम्बई ।
- (ख) मै0 पॉलिप्लैक्स कारपोरेशन लिमि0, नई दिल्ली ।
- (ग) मै0 जिन्दल पॉलिएस्टर लिमि0, नई दिल्ली ।
- (घ) मै0 ईस्टर इंड्रस्टीज लिमि0, नई दिल्ली, और
- (ङ.) मै0 फ्लैक्स इंड्रस्टीज लिमि0, नौएडा ।
- (च) मै0 वेनलोन पॉलिएस्टर फिल्म लिमि0, मैसूर ।

10.2 प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि 1998-99 के दौरान सभी आठों घरेलू विनिर्माताओं द्वारा किया गया पॉलिएस्टर फिल्म का कुल उत्पादन 77,200मी0 टन का था । ऊपर यथाउल्लिखित छः कंपनियों, जिन्होंने याचिका का स्पष्ट रूप से समर्थन किया है, ने संयुक्त रूप से 66,000 मी0 टन से अधिक का उत्पादन किया है और उनका हिस्सा घरेलू उत्पादन के लगभग 85 प्रतिशत से अधिक बनता है । इस प्रकार प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता नियमों के तहत यथापेक्षित वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने की अपेक्षित स्थिति में है ।

#### पाटन का निर्धारण

11.1 धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- ( i ) समान वस्तु के लिए सामान्य व्यापार के रूप में तुलनीय मूल्य जब तक व निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए नियमों के अनुसार किया गया हो, या
- ( ii ) जब सामान्य व्यापार के रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में समान वस्तु की कोई बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री

की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा -

(क) सान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त अन्य देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए ; या

(ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु उत्पादन लागत ; जिसमें प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए:

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल वाहनान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।"

11.2 तुलना से संबंधित नियमों में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना की व्यवस्था है जिनमें निम्नानुसार प्रावधान है:

"डंपिंग का मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा । यह तुलना व्यापार के इसी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वारस्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी । जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी ; अंतर में शामिल है बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं ।"

### 11.3 टीएसआई, कारिया

पाटन मार्जिन का निर्धारण कंपनी द्वारा उत्पादित और बिक्री की गई पॉलिएस्टर फिल्म के भिन्न-भिन्न प्रकारों के लिए अलग-अलग किया गया है । समनुरूप मॉडलों की कीमतें घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों के लिए ली गई हैं । इसके अलावा निर्यात कीमत और/अथवा घरेलू बिक्री कीमत में पर्याप्त अंतरों को देखते हुए और इस बात को देखते हुए कि भारत को निर्यात जांचावधि के केवल

कुछ महीनों में किए गए थे, सूची जांचावधि के लिए कीमतों के भारत और पर विचार न करना उचित समझा गया है। तदनुसार घरेलू बिक्रियां केवल उन महीनों के लिए मानी गई हैं जिनमें कंपनी ने भारत को निर्यात किया है।

11.4 कंपनी द्वारा दोनों बाजारों में दावा किए गए कीमत संबंधी सभी समायोजनों की अनुमति दी गई है।

"सी" श्रेणी के मामलों में यह पाया गया है कि उक्त प्रकारों में से एक प्रकार की घरेलू बिक्री कीमत उत्पादन लागत से कम है। तदनुसार इस प्रकार के लिए सामान्य मूल्य आकलित सामान्य मूल्य के आधार पर माना गया है।

#### 11.5 कोलोन, कोरिया

कंपनी द्वारा दोनों बाजारों में बिक्री की गई फिल्मों के भिन्न-भिन्न प्रकारों के लिए अलग-अलग तुलना की गई है। दावा किए गए कीमत संबंधी सभी समायोजनों की अनुमति दी गई है। दोनों प्रकारों में यह पाया गया है कि कंपनी ने घाटे पर घरेलू बाजार में बिक्री की है। तदनुसार इन प्रकारों के लिए आंकलित मूल्य स्वीकार किया गया है।

11.6 यह पाया गया है कि कंपनी ने "ए" और "बी" प्रकारों के लिए अलग तुलना का दावा किया है। तथापि इस आशय का कोई साक्ष्य नहीं है कि भिन्न-भिन्न बाजारों में ऐसे प्रकारों की बिक्री दोनों बाजारों में ग्राहकों को ज्ञात "ए" "बी" के स्पष्ट भेद के साथ की गई है। वाणिज्यिक बीजक और ग्राहकों के साथ आदान-प्रदान किए गए किसी अन्य दस्तावेज से इस तर्क की पुष्टि नहीं होती है कि उत्पाद की बिक्री "ए" अथवा "बी" श्रेणी के रूप में की गई थी। चूंकि ग्राहक "ए" "बी" श्रेणी के बारे में वाकिफ नहीं थे न ही उत्पाद विवरण तथा विनिर्देशन से ऐसे किसी भेद का पता चलता था इसलिए इन प्रकारों का अलग से मूल्यांकन करना उचित नहीं होगा।

11.7 पीटी कोलोन, इंडोनेशिया कंपनी द्वारा दोनों बाजारों में बेची गई फिल्मों के भिन्न-भिन्न प्रकारों के लिए अलग से तुलना की गई है। दावा किए गए कीमत संबंधी सभी समायोजनों की अनुमति दी गई है।

11.8 यह पाया गया है कि कंपनी ने "ए" और "बी" प्रकारों के लिए अलग से तुलना करने का दावा किया है। तथापि इस आशय का कोई साक्ष्य नहीं है कि भिन्न-भिन्न बाजारों में ऐसे प्रकारों की बिक्री दोनों बाजारों में ग्राहकों को ज्ञात "ए" "बी" के स्पष्ट भेद के साथ की गई है। वाणिज्यिक बीजक और ग्राहकों के साथ आदान-प्रदान किए गए किसी अन्य दस्तावेज से इस तर्क

की पुष्टि नहीं होती है कि उत्पाद की बिक्री 'ए' अथवा 'बी' श्रेणी के रूप में की गई थी। चूंकि ग्राहक 'ए' 'बी' श्रेणी के बारे में वाकिफ नहीं थे न ही उत्पाद विवरण तथा विनिर्देशन से ऐसे किसी भेद का पता चलता था इसलिए इन प्रकारों का अलग से मूल्यांकन करना उचित नहीं होगा।

11.9 जहां तक इस तर्क का संबंध है कि वाणिज्यिक बीजक अथवा 'उत्पाद निकासी जांच सूची', 'अंतिम जांच शीट' (जो कंपनी के आंतरिक दस्तावेज प्रतीत होते हैं) जैसे अन्य दस्तावेजों से यह पता चलता है कि वस्तुओं की बिक्री 'ए' अथवा 'बी' श्रेणी में की गई है, यह स्पष्ट किया जाता है कि निर्यातक द्वारा यह प्रमाणित नहीं किया गया है कि वस्तुओं की 'बिक्री ' ए' अथवा 'बी' श्रेणी के रूप में की गई है और कीमतों का निर्धारण तदनुसार किया गया है। यह नोट किया जाता है कि वाणिज्यिक बीजक में संहिताकरण शामिल होता है जो कंपनी का आंतरिक दस्तावेज होता है और जो कुल मिलाकर ग्राहकों के लिए प्रासांगिक नहीं होता है। इस संहिताकरण में बाद में ' ए' अथवा 'बी' जोड़ा गया है। तथापि, इससे यह अर्थ नहीं निकलता है कि ग्राहकों को इस बात की जानकारी थी कि आपूर्ति की जा रही वस्तुएं भिन्न-भिन्न प्रकार/श्रेणी की हैं। कंपनी के बीजक अथवा अन्य आंतरिक दस्तावेजों पर केवल संहिताकरण से यह प्रमाणित नहीं होता है कि ग्राहकों ने ' ए' अथवा 'बी' श्रेणी के लिए अलग-अलग कीमतें अदा की हों।

#### 11.10 सैमसंग कारपोरेशन, इंडिया

प्रकटन विवरण पत्र के प्रत्युत्तर में कंपनी ने दावा किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात की जानकारी थी कि टोरे ने सैमसंग, कोरिया के जरिए वस्तुओं का निर्यात किया है और मामले की अपेक्षानुसार कंपनी से सूचना मांगी जा सकती थी। यह स्पष्ट किया जाता है कि सूचना प्रस्तुत करने का दायित्व कंपनी/निर्यातक का होता है। जब टोरे ने जांच में भाग लिया है और सूचना उपलब्ध की है और जब टोरे ने सैमसंग के जरिए निर्यात किया है तो यह समझ में नहीं आता है कि कंपनी ने पहले स्थान पर सहयोग क्यों नहीं किया है। वस्तुतः टोरे द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना सैमसंग के जरिए आनी चाहिए थी। यह बात चौंकाने वाली है कि निर्यातक ने यह उल्लेख किया है कि वह सूचना देने का इच्छुक है और उसका उस स्तर पर सत्यापन किया जा सकता है जब निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा प्रकटन विवरण पत्र जारी किया गया है। नियम 16 के तहत निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए जांच समाप्त करने से पूर्व प्रकटन विवरण पत्र के अनुसार कार्यवाही करनी अपेक्षित होती है। जांच के समयबद्ध स्वरूप को देखते हुए इस स्तर पर कोई नई सूचना

स्वीकार करने का प्रश्न नहीं उठता । इन परिस्थितियों में कंपनी द्वारा सहयोग न करना उसके अपने विवेक से लिया गया निर्णय है जिसके लिए निर्यातक सूचना प्रस्तुत करने के अपने दायित्व को जांच प्राधिकारी पर नहीं डाल सकता और निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह मानना है कि कंपनी ने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है ।

**असहयोगी निर्यातकों के मामले में पाटन मार्जिन : पैकेजिंग फिल्म और पैकेजिंग/सन/डस्ट/कंट्रोल्ड फिल्म से भिन्न फिल्में**

11.11 प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी अन्य निर्यातक ने निर्धारित प्रपत्र में सूचना दायर नहीं की है जैसाकि प्रारंभिक निष्कर्षों में नोट किया गया है । प्राधिकारी ने उपरोक्त धारा के अनुसार जांच से संगत सूचना प्रस्तुत करने और टिप्पणियां, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने के लिए इंडोनेशिया और कोरिया गणराज्य के निर्यातकों को अवसर प्रदान किया । प्राधिकारी ने भारत में इंडोनेशिया और कोरिया के दूतावास को भी पत्र लिखा । तथापि इंडोनेशिया और कोरिया के किसी भी निर्यातक ने अपेक्षित सूचना प्रस्तुत नहीं की है । अन्य निर्यातकों ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए संगत कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है । इसलिए प्राधिकारी ने नियम 6(8) अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्यवाही की है ।

11.12 इंडोनेशिया और कोरिया गणराज्य में पॉलिएस्टर फिल्म के उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर जांच की शुरुआत के समय सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया था । प्राधिकारी ने उस पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के आधार के रूप में विचार किया है । इसलिए अन्य असहयोगी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने भारत में पॉलिएस्टर फिल्म की उत्पादन लागत पर समुचित लाभ मार्जिन की अनुमति देने के पश्चात इंडोनेशिया और कोरिया गणराज्य में सामान्य मूल्य के लिए आधार के रूप में विचार किया है ।

11.13 जहां तक असहयोगी निर्यातकों के संबंध में संबद्ध देशों से निर्यात कीमत का संबंध है प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में दायर की गई सूचना पर निर्यात कीमत के रूप में विचार किया है । तथापि, पैकेजिंग/सन/डस्ट कंट्रोल्ड से भिन्न फिल्मों के संबंध में इंडोनेशिया के किसी भी निर्यातक द्वारा कोई सूचना दायर नहीं की गई है । इसलिए प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के अनुसार सीआईएफ कीमत पर इंडोनेशिया के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत के रूप में विचार किया है । इसके अलावा, प्राधिकारी द्वारा

उत्तराई प्रभारों, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, स्वदेशी परिवहन और पत्तन प्रभारों के लिए सीआईएफ कीमतों में से समायोजनों की अनुमति दी गई है जैसाकि याचिकाकर्ता द्वारा दावा किया गया है।

11.14 ऊपर यथानिर्दिष्ट सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर प्राधिकारी ने इंडोनेशिया और कोरिया गणराज्य के असहयोगी निर्यातकों के मामले में पाटन-मार्जिनों का निर्धारण किया है।

11.15 उपरोक्तानुसार, निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत कारखानास्तर पर है। ऊपर बताए गए तौर-तरीके के आधार पर पॉलिएस्टर फिल्मों की भिन्न-भिन्न श्रेणियों के लिए भिन्न-भिन्न निर्यातकों के संबंध में प्रमाणित किया गया मार्जिन निम्नानुसार है:

क्रम सं०	देश/निर्यातक	फिल्मों का ग्रेड	पाटन मार्जिन( % )
1.	<b>इंडोनेशिया</b> मै० पीटी कोलोन	(ए) (सी)	146.63 35.81
	अन्य निर्यातक	(ए) (सी)	196.97 146.63
2.	<b>दक्षिण कोरिया</b> मै० कोलोन इंड्रस्टीज इंक०	(ए) (सी)	69.65 Demimus
	मै० टोरे सैहन इंक० और मै० सैहन इंड्रस्टीज	(ए) (सी)	35.06 14.66
	अन्य निर्यातक	(ए) (सी)	290.24 173.92

**ग्रेड (ए)** सीमाशुल्क कोड 3920.6903 के तहत वर्गीकृत पैकेजिंग फिल्मों से संबंधित है।

**ग्रेड (सी)** सीमाशुल्क कोड 3920.6905 के तहत वर्गीकृत पैकेजिंग/सन/डस्ट कंट्रोल्ड से भिन्न फिल्मों से संबंधित है।

#### (ट) क्षति

12.0 भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध II ( iv ) के अनुसार ऐसे संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति



पर प्रभाव डालते हैं जैसेकि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों में भी क्षति एवं पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध पर विचार किया है जिस पर विश्वास किया जा रहा है । तथापि, घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शाने वाले विभिन्न मापदण्ड संक्षेप में निम्नानुसार हैं :-

- (क) संबद्ध देशों से हुए आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है ।
- (ख) संबद्ध देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में कुल आयात की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है जबकि अन्य देशों से हुए आयातों के बाजार हिस्से में पर्याप्त गिरावट आई है ।
- (ग) भारत में पॉलिएस्टर फिल्म की मांग में संबद्ध देशों के बाजार हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- (घ) निर्यात कीमत में गिरावट: संबद्ध देशों से निर्यात कीमत में भारी गिरावट हुई है ।

(ङ.) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग: घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता बढ़ायी है । इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप उत्पादन में वृद्धि हुई है । तथापि, उत्पादन में हुई वृद्धि (जिसके परिणामस्वरूप ऊपरी लागत के भार में गिरावट आई है) से घरेलू उद्योग को अपनी लाभप्रदता बढ़ाने में मदद नहीं मिली है । इसके बजाए संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा किए गए पाटन को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है ।

(च) बिक्री मात्रा: घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में भी इन वर्षों में वृद्धि हुई है । तथापि, बढ़ती हुई बिक्री मात्रा के साथ घरेलू उद्योग के सामने बढ़ते हुए घाटे की स्थिति आई थी । इस प्रकार बढ़ी हुई बिक्री मात्रा से घरेलू उद्योग को अपनी लाभप्रदता को बढ़ाने में मदद नहीं मिली है । इसके बजाए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को भारी नुकसान हुआ है।

(छ) बिक्री प्राप्ति: बिक्री कीमतों में आई तेजी से गिरावट, जिसके लिए घरेलू उद्योग बाजार में पाटित आयातों के परिणामस्वरूप बाध्य हुआ था, से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति स्पष्ट होती है । उद्योग की बिक्री कीमतों में पर्याप्त गिरावट आई है । बिक्री कीमतों में गिरावट के बावजूद संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही थी ।

(ज) लाभप्रदता: पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है।

पाटित आयातों के परिणामस्वरूप इस अवधि में प्रत्येक भागीदार कंपनी की लाभप्रदता में अत्यधिक

गिरावट आई है जैसाकि उत्पादन लागत, बिक्री कीमत और लाभ/हानि संबंधी सूचना से नोट किया जा सकता है ।

(झ) घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से वास्तविक क्षति हुई है ।

(ठ) कारणात्मक संबंध

13.0 जैसाकि प्रारंभिक निष्कर्षों में और क्षति से संबंधित पैरा में उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कोरिया, गणराज्य और इंडोनेशिया से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है । संबद्ध देशों से पॉलिएस्टर फिल्म का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है । कोरिया गणराज्य और इंडोनेशिया से निर्यात कीमत में भी भारी गिरावट आई है । संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में वृद्धि तथा निर्यात कीमत में गिरावट के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतों को कम करने के लिए बाध्य किया गया था । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन लागत से कम बिक्री प्राप्ति तथा घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत में गिरावट के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा हुआ है और जिससे घरेलू उद्योग अपने निवेशों पर उचित आय प्राप्त करने से वंचित रहा है । घरेलू उद्योग के घाटे में उत्पादन और बिक्री की मात्रा में वृद्धि के बावजूद वृद्धि हुई है । इस प्रकार याचिकाकर्ता कंपनियां घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं के बिक्री केवल पर्याप्त घाटे पर करने में समर्थ थीं । ये सभी मानदंड संयोजी रूप से यह दर्शाते हैं कि याचिकाकर्ता कंपनियों को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है ।

14.0 भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

14.1 सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जो कि देश के सामान्य हित में है । यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सम्बद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है । किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही सीमित कर दी जाए जो कि घरेलू उद्योग को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है । इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों के इस्तेमाल से पाटन द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और इस प्रकार संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । पाटनरोधी उपायों से सम्बद्ध देश से होने वाले

आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा ।

14.2 घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के ईष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में घरेलू उद्योग के लिए संबद्ध वस्तुओं की उचित बिक्री कीमत पर विश्वास किया है ।

#### **ड. निष्कर्ष**

15.0 पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:-

(क) कोरिया गणराज्य और इन्डोनेशिया मूल के अथवा वहां से निर्यातित पॉलिएस्टर फिल्म का भारत को सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया है जिससे पाटन हुआ है;

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

(ग) केपेसिटर के रूप में उपयोग के लिए सन डस्ट कन्ट्रोल्ड पॉलिस्टर फिल्म और पालिस्टर फिल्मों के आयातों के कारण कोई क्षति नहीं हुई है (जहाँ आयात कीमतें 6.50 अमरीकी डालर प्रति किग्रा. से अधिक पाई गई थीं) और

(घ) संबद्ध देश से हुए आयातों के कारण संचयी रूप से क्षति हुई है ।

#### **16.0 कीमत संबंधी वचनपत्र की स्वीकार्यता**

निर्यातकों में से एक निर्यातक मै0 टोरे सेहान ने कीमत संबंधी वचनपत्र प्रस्तुत करने के लिए अपनी इच्छा व्यक्त की थी । प्रस्ताव की विस्तृत जाँच की गई थी और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाया कि निर्यातक द्वारा प्रस्तावित वचनपत्र को स्वीकार किया जा सकता है क्योंकि इससे पाटन के क्षतिकारण प्रभाव को समाप्त होता है । निर्यातक ने ऐसी सभी उचित सूचना मुहैया कराने पर सहमति व्यक्त की है, जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी संगत और जरूरी मानते हैं । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने

निर्यातक के कीमत संबंधी वचनपत्र को स्वीकार किया है और तदनुसार इस कंपनी से हुए निर्यातों के मामले में कोई शुल्क नहीं लगेगा। तथापि, निर्यातक द्वारा इस वचनपत्र के निष्पादन में किए जाने वाले किसी उल्लंघन के मामले में, निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में विशिष्ट शिफारिशों के लंबित रहने तक, प्रारंभिक निष्कर्षों में यथानिर्धारित शुल्क अनन्तिम रूप से लगा होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि इस वचनपत्र को केवल इस कंपनी द्वारा भारत को सीधे किए गए निर्यातों के मामले में लागू किया जाएगा। यदि वस्तुओं का निर्यात किसी अन्य कंपनी द्वारा किया जाता है तो नीचे यथा उल्लिखित अवशिष्ट शुल्क लागू होगा चाहे वे इस कंपनी के उत्पाद ही क्यों न हों।

कंपनी ने भिन्न-भिन्न प्रकारों के लिए अलग-अलग कीमत संबंधी वचन-पत्र लागू किए हैं। वचन-पत्र में उल्लिखित धनराशि निम्नानुसार है।

श्रेणी	पोलिस्टर फिल्म का प्रकार	विवरण		वचन
		मोटाई	लम्बाई	धनराशि (अ. डा./किग्रा.)
ए	आईटीसी 39200.6903 के अनुसार पैकेजिंग फिल्म	8-30 माइक्रोन	6000-36000एमएम	1.879
सी	आईटीसी 3920 6905 के अनुसार पैकेजिंग/रू./डस्ट फिल्म को छोड़कर पोलीस्टर फिल्म	एक्सए: 9-16 माइक्रोन एक्सबी: 11-17 माइक्रोन एक्सजी: 18-32 माइक्रोन	एक्सए: 5000-15000एमएम एक्सबी: 14000-17000एमएम एक्सजी: 500-6000एमएम	1.721

वचन-पत्र में उल्लिखित कीमत आयातों की न्यूनतम पहुँच कीमत है। पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्क सहित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा आकलित निर्धारणी मूल्य होगा।

17.0 यह आवश्यक माना गया है कि कोरिया गणराज्य और इन्डोनेशिया मूल के या वहाँ से निर्यातित पॉलिएस्टर फिल्म के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाय। तथापि, टोरेह सीहन, कोरिया से हुए निर्यातों के मामले कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा जिसमें प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा दिए गए कीमत संबंधी वचनपत्र को स्वीकार कर लिया है। इसके

अलावा, अगर आयात कीमतें 6.50 अमरीकी डालर प्रति किग्रा. से अधिक होने की सूचना है और आयातक सीमाशुल्क ( - ) नियमावली ( - ) के अन्तर्गत यथा-निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं तो केपेसिटर के रूप में प्रयोग के लिए पालिस्टर फिल्मों पर कोई शुल्क लगाए जाने की जरूरत नहीं है। तथापि, अगर आयातक इन नियमों के अन्तर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा करने में समर्थ नहीं हैं तो श्रेणी (सी) के अन्तर्गत अन्य प्रकार के पॉलिएस्टर फिल्मों के लिए नीचे यथानिर्धारित पाटनरोधी शुल्कों को लागू किया जाना अपेक्षित है। संदेय पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित सारणी के कॉलम-4 में दी गई हैं :-

क्र.सं.	देश/निर्यातक	फिल्मों का ग्रेड	राशि अमरीकी डालर/किग्रा.
1.	<u>इन्डोनेशिया</u> मै पी.टी. कोलोन	(ए) (सी)	0.356 0.477
	अन्य निर्यातक	(ए) (सी)	0.710 0.477
2.	<u>दक्षिण कोरिया</u> मै0 कोलोन इंडस्ट्रीज इंक	(ए) (सी)	0.358 Nil
	मै0 टोरे सेहन इंक और मै0 सेहन इंडस्ट्रीज	(ए) (सी)	कोई शुल्क नहीं है। कीमत संबंधी वचनपत्र पर।
	अन्य निर्यातक	(ए) (सी)	0.982 0.614

ग्रेड (ए) सीमाशुल्क कोड 3920.6903 के तहत वर्गीकृत पैकेजिंग फिल्मों से संबंधित है।

ग्रेड (सी) सीमाशुल्क कोड 3920.6905 के तहत वर्गीकृत पैकेजिंग/सन/डस्ट कंट्रोल्ड से भिन्न फिल्मों से संबंधित है।

18.0 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3,3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्कों सहित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा ।

19.0 उपर्युक्त के अधीन प्राधिकारी 6.4.2000 के प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं ।

20. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील उक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादशुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी ।

एल. बी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

### NOTIFICATION

New Delhi, the 28th March, 2001

### FINAL FINDING

**Subject : Anti-Dumping Investigation concerning imports of Polyester Film from Republic of Korea and Indonesia—Final Findings.**

**No. 13/1/2000-DGAD.**—The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof

### A PROCEDURE

The procedure described below has been followed with regard to the investigations:

- i. The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), notified Preliminary Findings vide notification dated 14<sup>th</sup> August, 2000 and requested the interested parties to make their views known in writing within 40 days from the date of its publication.
- ii. Corrigendum to the Preliminary Findings vide notification dated 6<sup>th</sup> November, 2000 was issued with respect to findings under Para 11(i) - Quantum of Imports and Market;

- iii. The Authority forwarded a copy of Preliminary Findings to the known interested parties who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within 40 days of the date of the letter;
- iv. The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Embassy of Republic of Korea and Indonesia with a request that exporters and other interested parties may be advised to furnish their views on the preliminary findings.
- v. The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 7<sup>th</sup> December, 2000. Further, all the parties presenting views orally were requested to file written submission of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties, and offer rebuttals, if any.
- vi. The Authority kept available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties. All interested parties who made request for inspection, in writing, were allowed to inspect the public file;
- vii. Arguments raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties have been considered in the preliminary findings and/or these findings;
- viii. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings;

- ix. The investigations covered the period of 1<sup>st</sup> April, 1998 to 30<sup>th</sup> September 1999 (18 months);
- x. \*\*\* in this notification represents the information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the rules.

## **B VIEWS OF VARIOUS INTERESTED PARTIES**

### **(B.1) VIEWS OF THE PETITIONERS:**

#### **2.0 Product Under Consideration And Like Article**

The product under consideration in the present investigation is polyethylene terephthalate film, popularly known as polyester film in market parlance and referred to as Polyester film in these investigations. Polyester film is a high performance biaxially oriented, special film made from polyethylene terephthalate resin (generally known as PET Chips). PET Chips is produced from dimethyl terephthalate (known as DMT) or polyethylene terephthalic acid (known as PTA) and mono-ethylene glycol (known as MEG). There is no significant difference in the polyester film produced using these types of chips.

- 2.1 Polyester film is characterized by high tensile strength, excellent dimensional stability, low moisture absorption, good retention of physical properties over a fairly wide temperature ranging from (-)70 degree C to 150 degree C, excellent electrical properties and good optical clarity. It is produced in a wide variety of forms and types, which are employed for a large range of end-use applications/segments.
- 2.2 Under the Customs Tariff Act, polyester film falls under 3920.69. Regardless of the type of polyester film, all fall under one customs classification only. The Indian Tariff Classification (Based on Harmonized Commodity Description and Coding System) describes polyester films in three categories, based on end-use applications.



**2.3** The petitioners have stated that the main issues that have been raised by opposing interested parties are:

- (1) That there are a number of different products being investigated and each product have a number of different types.
- (2) The product under consideration in their petition, the initiation notification and the preliminary findings issued by the Designated Authority is polyester film. It would be grossly incorrect to say that the three different categories namely 3920.6903, 3920.6904 and 3920.6905 are not for polyester film. In fact the ITC description itself invariably talks about polyester film as the description under the three codes. Film used for Sun/Dust control is nothing but a polyester film. Further, films used in capacitor, audio, video and other applications are nothing but polyester film. In fact all these films are produced from the same raw material, i.e. petchips and employ the same manufacturing technology.
- (3) European Union is investigating the same product against India and Republic of Korea for anti-dumping duties. Product described in this investigations is also polyester film without any distinction of segments and end use.
- (4) The opposing interested parties have grossly misled themselves in considering application/segment of the product as the only criteria for differentiating various types.

**2.4** The petitioners have stated that while it is appreciated that the European Union has defined product types based on a number of parameters, it need be noted that these various types have been defined merely for the purpose of calculations of dumping and dumping margin. The DA also has categorized the film into three only for the purpose of comparison and

calculations. However, having done the comparison and calculations separately for three different types, the Designated Authority has recommended three different duties on different types.

- 2.5 Kind attention of the Designated Authority is requested to the investigations conducted by the European Union and USA. The product involved in these cases is the identical. Having done the comparison and calculations separately for different types, the European Union and US have found that all polyester films are like product and have eventually recommended./ imposed one duty only.
- 2.6 Interchangeability Of Different Types: The petitioners have stated that while it is not disputed that different types are generally meant for different and applications (in fact, there are findings that different types inter-se may not always be substitutable), they have submitted that it is quite possible to use a polyester film meant for capacitors, cable insulation, electrical applications in packaging applications and in fact there are a number instances where these have interchangeably used.
- 2.7 Like Article: There is no significant difference in polyester film produced by the Indian industry and polyester film exported from subject countries. Polyester film produced by the Indian industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, function & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable.
- 2.8 Petitioners have submitted that the issue of like article has to be considered in the light of the product under consideration. Having defined the product under consideration as "polyester film", what is required to be seen by the Designated Authority is whether the domestic industry

produces like article. It is further submitted that the like article definition does not get restricted to alike or identical article, as seems to be argued by opposing interested parties. Rule 2(d).

- 2.9 Domestic industry has requested that the dumping margin in respect of all the producers be re-determined in accordance with para 2, Annexure I.
- 2.10 PT KOLON, INDONESIA: The DA has found that the dumping margin for the company is 19.3%. It is submitted that the dumping margin assessed by the Designated Authority is significantly on lower side. The DA has allowed all claims made by the company for the purpose of the preliminary findings. The claims made by the company are required to be verified, particularly because the dumping margins are on lower side. The company has provided transaction wise details of sales made in the domestic market. It is submitted that the normal value should be determined in accordance to the Annexure I (para 2) of the Indian Anti Dumping Rules, which provides that the transactions in the domestic market which are below cost of production should be considered as not being in ordinary course of trade be disregarded while determining selling price in the home market.
- 2.11 Petitioners have also submitted that it is not clear from the preliminary findings whether Authority has compared the selling prices with the cost of production and ensure that sales in the home market were in the ordinary course of trade. Considering the Indonesian prices prevailing in Indian market, it does not appear that the Indonesian producers would have sold at a profit in case of India. It would therefore, follow that either their domestic prices are significantly higher or the Indonesian producers suffered significant losses.
- 2.12 Kolon Industries Inc., Republic of Korea : Petitioners have stated that a number of claims have been made by the company from the domestic

prices. They are not aware of the justification given for these claims and whether the allowance claimed is just and fair. However, it is required to be ensured that the net selling price in respect of each transaction is above the cost of production.

2.13 With regard to export price, it is submitted that the exporter has not disclosed any expenses towards commission paid to the trader's in the subject country and/or in India. It is submitted that commission @3% each is required to be provided towards the expenses on the Indian and Republic of Korea , agents.

2.14 Saehan Industries Inc. Republic of Korea : Petitioners have submitted that it is the grievance of Toray Saehan and Saehan Industries that the Designated Authority has improperly provided the same level of dumping margin and duties to these two companies, even when the two companies were separate and independent entities. Since Toray Saehan (TSI) did not export within investigation period and took over existing business of Saehan Industries and since the company itself has admitted that it falls under Rule 22, it is submitted that the company should not be given the same level of duty as has been given to Saehan Industries.

(B-II) M/S. TOREY SAEHAN INC.,(TSI) Republic of Korea ;

3.1 The contents of the Preliminary Findings are insufficiently detailed for TSI to defend its interests in a fair and reasonable manner. TSI is of the view that the notification document containing the Authority's Preliminary Findings breaches both the Customs Tariff Rules of India and the WTO Anti-Dumping Agreement.

- 3.2 The Authority has ignored objective facts demonstrating that TSI and Saehan are completely different entities following different export and production strategies by not treating TSI separately in the present proceedings. The differences between the two companies are unambiguously such that would trigger a review of any imposition of anti-dumping measures in accordance with Rule 23 (1) of the Customs Tariff Rules.
- 3.3 Absence of any established Indian industry manufacturing PET Films for video and capacitor applications implies that there can be no injury to the Indian PET Film industry as a result of such imports. In accordance with Rule 11(1) of the Customs Tariff Rules, imports of these products must therefore, be excluded from the present proceedings.
- 3.4 The categorization of graphic, video, capacitor and audio film into one group is too rudimentary and misleading for the purpose of the present investigations and is inconsistent with making a fair comparison between normal value and export price of the respective products. The Authority should therefore, calculate separate dumping margins for all four products.
- 3.5 The strong devaluation in the Republic of Korea won to the US Dollar during the POI clearly satisfies the criteria for a sustained currency movement. The Authority should therefore, accept Saehan's claim for an adjustment to export price for a sustained currency movement in accordance with the Customs Tariff Rules.
- 3.6 **Non-Exclusion of Video and Capacitor Film :** The Authority has excluded from the investigation imports of PEL Films under 9 micron on the grounds that no domestic manufacturing facilities exist for the production of films of this dimension. The Authority did not, however, exclude imports of PET Films used in video and capacitor applications, despite the evidence provided by TSI/ Saehan and other interested parties that such films should be excluded for the same reasons justifying the exclusion of films under 9 micron in thickness.

- 3.7 **NORMAL VALUE :** The Authority stated in the notification that it accepted all of the claimed allowances for both type (A) and type (C) films, subject to possible verification. In the absence of any further information or explanation of the calculation of normal value, TSI has assumed that the adjustments were accepted in full.
- 3.8 **EXPORT PRICE:** As with its calculation of normal value, the Authority accepted all of the adjustments claimed for export price. However, the allowances for level of trade and sustained currency movement were rejected. No reasons were given as to why these adjustments were not accepted.
- 3.9 **ON INJURY DETERMINATION:** Had the Authority examined the injury factor, it would have found that Indian imports occupy only the smallest fraction of the domestic Indian Market. Figures provided by the Authority and the Complainants for 1998-99 indicate that the volume of imports from Republic of Korea amounted to at most 4% of the Indian market for PET Film. This means that in 1998-99, at most only 4% of domestic Indian demand was satisfied with consumption of imports from Republic of Korea
- These facts, which derive from the total imports figures presented by the Authority and the production and export figures revealed by the Complainants, unequivocally demonstrate that imports from Republic of Korea could not have injured the Indian PET Film industry.
- 3.10 The Authority has noted that the price of PET Film from Republic of Korea has been steadily falling over the past three years. However, the fact that the price levels of imports have fallen should not per se be taken to indicate injurious dumping.
- 3.11 The production and sales of the Indian domestic producers has therefore grown at a healthy rate, especially given the fact that the Indian economy

has been going through a severe recession. The Authority's findings therefore totally refute the claim regarding injury.

- 3.12 CAUSATION: TSI refutes that any injury has been caused to the Complainant. There is also a total absence of any causal link between the imports and the injury to domestic industry
- 3.13 Category 'C' in the preliminary findings covers wide range of products. It includes polyester film and video graphic capacitors and other application. Products covered by category 'C' are also not commercially substitutable. Each product under category 'C' is specific to different end users market. Therefore, there is no justification for grouping such a large variety of product under one category.
- 3.14 EXCLUSION OF VIDEO AND CAPACITOR FILMS: Within the category 'C' Authority has excluded from the investigations import of polyester film under nine microns on the ground that no domestic manufacturer facility exist for the production of film of this dimension. Therefore, in the absence of a domestic manufacturer of these products the proceeding should be confined to films other than video and capacitors,
- 3.15 The Preliminary findings do not reflect the existence in injury to domestic industry. The factors like production, sales, capacitors etc. of domestic industry reflect positive growth trends and do not show any injury. The exporters have urged that there is no necessity for imposition or continuance of duties against exports from Republic of Korea . If, however, the Authority is of the view that there is no need of continuance of duties variable duties may be recommended.
- 3.16 TSI is of the view that variable duties achieved objectives of anti-dumping law more effectively than fixed duties.

**(B-III) KOLON INDUSTRIES INC. REPUBLIC OF KOREA**

- 4.1 The exporter has submitted that the Company has only sold \*\*\* kgs. of polyester film for packaging grade to India which is B-grade film and is in very small quantity. For the submissions that the volume effect is one of the guiding factors to determine the injury, it may be observed that such a small quantity can not have any impact or injure the sales activities of the domestic market.
- 4.2 The company has reiterated that the export price of B-grade polyester film to India by the Company was prevailing international price in the specific period. The Company claimed that this price does not exist now.
- 4.3 In their written submission dt 13.12.00 , Kolon Industries cited that the petitioners have been exporting the product under consideration to countries such as USA , Western Europe etc. In view of this, the exporters have submitted that the petitioners have satisfactorily grown and no injury caused to them because of import from Republic of Korea and Indonesia.
- 4.4 The petitioners have admitted that they have not been able to get reasonable or authentic evidence either with regard to prices of Polyester Film in Republic of Korea and Indonesia or price list of exporters for either sale in that country. The request to the Designated Authority to consider the normal value on the basis of constructed value by the petitioners merits rejection.
- 4.5 The exporter has submitted that it has provided the export price and domestic market prices. The consolidated data of other products manufactured by the Company including concerned product was also submitted due to some discrepancy, confusion or communication gap. The Authority has inadvertently taken the figures supplied in the consolidated form which pertains to other products of the company as a whole. As a result, the dumping margin has to be reconsidered.



- 4.6 The exporters have submitted that if the normal value provided by the company is not accepted then it is the right of the company to know the basis and reasons for the same.
- 4.7 With regard to the argument of domestic industry that the price of the product has declined, the exporter has submitted that the decline is due to fall in prices of raw material and consequent decline in the price of the product worldwide.
- 4.8 In their written submissions to public hearing KOLON has stated that the Authority should have taken into consideration only the data provided in their original response as it gives a correct figures of export unit price and domestic market unit price of the product under consideration. However, supplementary information submitted by the company is consolidated data of other products manufactured by company including the concerned product. The Authority seems to have taken the figures supplied in consolidated form and as a result of this the dumping margin needs to be corrected.
- 4.9 They have also stated that the company has exported only one consignment during the POI. The criteria of taking an average can be appreciated where there have been number of transactions at different rates and times.
- 4.10 In view of the facts and circumstances the exporters have requested that the anti-dumping proceedings against the company be dropped.

**(B-IV) P.T. KOLON, INDONESIA**

- 5.0 The exporters have submitted that the company has exported only two types of packaging film. The consolidated data furnished including hand

written note "Packaging Film" and "Other Application" may kindly be ignored for the purpose of recommending duties. The company has not exported any product falling under category 'C' of the Preliminary Findings. They have also submitted that the company is producing a large types of films and the data in regard to other products have been included in the consolidated data. The data, which specifies other products, may not be considered for arriving at any conclusions in the present investigation.

**(B-V) VIEWS OF ELCINA**

- 6.1 They have stated that barring one manufacturer(M/s Garware) in India, no other manufacturer produces audio grade polyester film and further they have supplied erratic quality and quantity of audio grade polyester film to consumers. No manufacturer produces video grade polyester film in India.
- 6.2 The product under consideration must exclude capacitors, video and audio grade polyester film.
- 6.3 They have brought up another factor indicative of the difference between capacitors grade film and other polyester film. The duty for capacitor grade film is only 5 % whereas the duty on other films is approximately 35%. They have submitted that the threshold limit of 9 microns should be increased to 12 microns thickness, which is particularly relevant for audio tape applications.

**7.0 Examination by the Authority :**

- 7.1 The reference has been examined by Authority. It is noted that in the manufacture of polyester films, thickness of films measured in terms of micron is an important criteria. The petitioner companies in domestic

industry have acquired facilities for manufacture of films of 9 micron and above, though M/s Venlon Polyester produces capacitor grade films of 9 micron – 15micron in a very small volume. The user industries of Plastic Capacitors and Audio and Vedio grade films requires some of the Polyester Films of less than 9 microns, for which petitioner companies do not have required facilities. Therefore, Authority holds that product under consideration excludes Polyester Film of less than 9 micron for which no manufacturing facilities exist with the domestic industry.

**7.2** Arguments have also been raised by interested parties that Polyester Film is not a single product but finds application in different industries like packaging industrial application, Magnet Media application, Sun/Dust Controlled films. Therefore, all the films should be categorized as one for levy of Anti-Dumping Duty .

**7.3** Although the Polyester Film finds application in different end uses, but the manufacturing facilities for all the types of Polyester Films are identical and overlapping. The manufacturing process for Polyester Film is also identical except change in mix of chips and other additives. However, the specifications of Polyester Films for different end uses are different and there are different price structures for different type of Polyester Films.

**7.4** As regards the sun/dust controlled Polyester Film, the Authority relies upon preliminary findings. . The cost and price structure for sun/dust controlled films is different from that in respect of other type of films.

**7.5** With regard to polyester film for capacitors, petitioners have argued that M/s Venlon Polyester Film Ltd., Mysore is manufacturing polyester films for Capacitors. As per the information furnished, they manufactured

capacitor grade polyester film from 9 micron to 15 micron during 1998-99 and 1999-2000.

7.6 The Authority notes that though the capacity is low there is a manufacturing facility. The unit has produced capacitor grade film of 9 micron to 15 micron during period of investigation. It is noted that the price realization by the producer is in the range of Rs \*\*\* Kg to Rs. \*\*\* /Kg. Further, capacitor grade imports range from 8 micron to 25 micron and price varied from US \$ 5.50/Kg to 10.95/Kg FOB. Similarly imports of capacitor grade from 2.5 micron to 9 micron varied from US\$7.50/Kg to 33.0/Kg during period of investigation. In view of this, Authority notes that even though these types of polyester films are being produced in the Country, the price of these polyester film is well above the price range of other polyester films. Further, the prices at which Venlon has sold these types of polyester film and landed price of imported goods indicates that these imports have not caused injury to the domestic industry. Accordingly, Authority holds that the anti dumping duty is not required to be imposed in case of imports of these types of polyester film meant for capacitor applications by Registered Capacitor Manufacturers, provided that the CIF price at which these films have been imported is above US\$ 6.50 per Kg and width upto 30mm, and . the importers adhere to the procedure as laid down under Customs (Import of Goods at Concessional Rate of duty for Manufacture of Excisable Goods) Rules, 1996.

7.7 Although the manufacturing facilities for various films are common and overlapping but various polyester films are different products having different end use. Therefore, keeping in view the various end uses of films, and as determined in the preliminary findings, the Authority has categorized the films into three categories, as per customs classification, as indicated above, for the purpose of comparison, determination, imposition and levy of duties under 3920.6903, 3920.6904 & 3920.6905.

## C PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

- 8.1 The product involved in the present investigation is Polyester Films originating in or exported from Republic of Korea and Indonesia. Polyester Film is a high performance biaxially oriented special film made from polyester terephthalate resin (generally known as PET Chips). Polyester film finds application in various fields such as packaging, sun/dust controlled polyester films and other industrial applications.
- 8.2 The Polyester Films are classified under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975. The complete description of subject goods as per Indian Trade Classification [based on Harmonized Commodity Description and Coding System] is as under:-

### Chapter 39- Plastic and Articles thereof.

3920.6903	Packaging Polyester Film
3920.6904	Sun/Dust Controlled Polyester Film
3920.6905	Polyester Film excluding Packaging /Sun/Dust.

The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation and recommendations.

- 8.3 With regards to product under consideration, arguments have been raised by the interested parties that the capacitor grade Polyester Film is required to be excluded from the scope of present investigation, as none of the company in domestic industry has dedicated facilities for manufacture of capacitor grade Polyester Film. It has also been argued by some of the interested parties that the Audio and Video grade Polyester Film are also required to be excluded from levy of Anti-Dumping Duty as only one manufacturer in the domestic industry is supplying the Audio grade Polyester Film and they do not supply Polyester Films suitable for C-90 Type of Magnetic Tapes and

Video Magnetic Tapes. The quality of films supplied by domestic manufacturer is not also comparable to imported quality of films.

**D     LIKE ARTICLES:**

9.1 Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules specifies that "Like Articles" means an Article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination.

9.2 The petitioner has claimed that the Polyester Film produced and sold by them and those imported from the subject countries, are being used interchangeably by the customers in India. The process and technology for manufacturing the product all over world is similar in terms of machinery, raw materials, manufacturing process except for minor difference such as additives. The preliminary findings have not been disputed by the interested parties, except with regard to films for capacitor, audio and video, which has already been dealt under the para on Product Under Consideration.

9.3 In view of the same, the Authority holds that Polyester Film being produced by the domestic industry and those being imported from the subject countries are commercially and technically substitutable and therefore, are like articles within the meaning of the Rules.

**E     DOMESTIC INDUSTRY:**

10.1 The petition has been filed by the Polyester Film Industries Association (Regd.) representing the Domestic industry. There are eight Domestic manufacturers of Polyester Film in India. The petition has been expressly supported by five of the Domestic producers i.e. :-

- (a) M/s. Garware Polyester Ltd., Mumbai.
- (b) M/s. Polyplex Corporation Ltd., New Delhi.
- (c) M/s. Jindal Polyester Ltd., New Delhi.
- (d) M/s. Easter Industries Ltd., New Delhi and
- (e) M/s. Flex Industries Ltd., Noida.
- (f) M/s Venlon Polyester Film Ltd, Mysore

10.2 Authority notes that total production of Polyester Film by all the eight domestic manufacturers during the year 1998-99 was 77,200 MTs. The six companies, as mentioned above, who expressly supported the petition had a combined out put in excess of 66,000 MTs. representing approximately more than 85% of the domestic production. Thus, the Authority holds that the petitioners have the required standing to constitute domestic industry in the present investigation, as required under the Rules.

#### DETERMINATION OF DUMPING

11.1 Under Section 9A (1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) "the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular mark situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin alongwith reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin”.

11.2 The Rules relating to comparison provides comparison of normal value and export price provides as follows:

“While arriving at margin of dumping Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. A comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level and in respect of sales made and as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case on its merits, for differences which occur price comparability including differences in conditions and terms and sales, taxation, levels of trade quantities, physical characteristics and any other differences which are demonstrated to affect price comparability”.



- 11.3 TSI, Republic of Korea :The dumping margin has been determined separately for various types of polyester film produced and sold by the company. Prices of identical models have been taken for both the domestic and export markets. Further, in view of significant differences in the export price and/or domestic selling price and in view of the fact that exports to India were only in some of the months of the POI, it is considered appropriate not to consider weighted average of prices throughout the POI. Accordingly, the domestic sales have been considered only for those months where the company had exports to India.
- 11.4 All price adjustments claimed by the company in both the markets have been allowed. In case of "C" category, it is found that the domestic selling price for one of the types is below cost of production. Accordingly, the normal value for this type has been based on the constructed normal value.
- 11.5 KOLON, REPUBLIC OF KOREA :Separate comparison has been done for different types of films sold by the company in both the markets. All price adjustments claimed have been allowed. In two types, it is found that the company has sold in the domestic market at losses. Accordingly, the constructed value has been adopted for these types.
- 11.6 It is found that the company has claimed separate comparison for "A" and "B" types. However, there is absence of any evidence that such types were sold in different markets with clear distinction of "A" and "B" known to the customers in the two markets. The commercial invoice and any other document exchanged with the customers do not support the argument that the product was sold as "A" or "B" category. Since the customers were not aware of "A" or "B" category nor the product description and specification provide any such distinction, it would not be appropriate to separately assess these types.

As regards to request by the exporter viz. Kolon, Republic of Korea , that the data provided in their original response be considered , it is clarified that the original response giving transaction wise, grade wise information has been considered for purposes of determining the dumping margin.

- 11.7 PT KOLON, Indonesia: Separate comparison has been done for different types of films sold by the company in both the markets. All price adjustments claimed have been allowed.
- 11.8 It is found that the company has claimed separate comparison for "A" and "B" types. However, in the absence of any evidence that such types were sold in different markets with clear distinction of "A" and "B" known to the customers in the two markets. The commercial invoice and any other document exchanged with the customers do not support the argument that the product was sold as "A" or "B" category. Since the customers were not aware of "A" or "B" category nor the product description and specification provide any such distinction, it would not be appropriate to separately assess these types.
- 11.9 With regard to the argument that the commercial invoice or other documents, such as "Product Out Check List", "Final Inspection Sheet" (which appears to be internal documents of the company) show that the goods sold are "A" or "B" category, it is clarified that it has not been established by the exporter that goods have been "sold as A or B category" and prices were determined accordingly. It is noted that commercial invoice carries codification which is internal to the company and is not relevant to the customers at large. This codification has suffix as "A" or "B". However, this does not imply that the customers were aware that the goods being supplied were of different type/category. Mere codification on the invoice or other internal documents of the company

does not establish that the customers paid different prices due to "A" or "B" category.

As regards to submission that they have not exported any material under 'C' category, it is clarified that the exporter would be liable to pay relevant anti dumping duty applicable to other exporter in residual category as and when they export under ' C' category.

- 11.10 Samsung Corpn., India: In response to the disclosure statement, the company claimed that the Designated Authority was aware that Toray exported the goods through Samsung, Republic of Korea and information could have been sought from the company in case so desired. It is clarified that the onus of providing the information is on the company/exporter. It is not understood when Toray has participated in the investigations and provided information and when Toray had exported through Samsung, why the company did not cooperate in the first place. In fact, some of the information provided by Toray might have come through Samsung. It is rather surprising that the exporter has stated that it is willing to provide information and is open for verification at the stage when the disclosure statement has been issued by the Designated Authority. Under Rule 16, the Designated Authority is required to proceed with disclosure statement before concluding the investigations. There is no question of admitting fresh information at this stage, considering time bound nature of investigations. Under the circumstances, non-cooperation by the company is its own conscious decision, for which the exporter can not shift the onus on the investigating authority and the Designated Authority holds that the company has not cooperated in the present investigations.

**DUMPING MARGIN IN CASE OF NON-COOPERATIVE EXPORTERS:  
PACKAGING FILM AND FILMS OTHER THAN PACKAGING /SUN/  
DUST /CONTROLLED FILM:**

11.11 The Authority notes that no information in the prescribed proforma has been filed by any other exporters, as noted in the preliminary findings. The Authority provided opportunity to the exporters from Indonesia and Republic of Korea R.P. to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassy of Indonesia and Republic of Korea in India also. However, none of the exporters from Indonesia and Republic of Korea have furnished the requisite information. The other exporters have not furnished any information relevant for determination of normal value and export price. The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available.

11.12 The Normal value was determined at the time of initiation of investigations on the basis of constructed cost of production of Polyester Film in Indonesia and Republic of Korea. The Authority has considered the same as basis for determination of Normal value. Therefore, in respect of other non-cooperative exporters, Authority has considered cost of production of Polyester Film in India as basis for Normal value in Indonesia and Republic of Korea. after allowing for the reasonable margin of profits.

11.13 As regards the export price from subject countries, in respect of non-cooperative exporters, Authority has considered the information filed in respect of co-operative exporters from subject countries as export price. However, no information has been filed by any exporter from Indonesia in respect of films other than packaging/sun/dust controlled. Therefore, Authority has considered the CIF price, as per DGCI&S statistics, as

export price in respect of Non-Co-operative exporters from Indonesia. Further, adjustments have allowed by Authority from CIF prices on account of landing charges, ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation and port charges as claimed by petitioner.

11.14 Based on the Normal value and the Export price, as indicated above, Authority has assessed Dumping Margins in case of Non-Co-operative exporters from Indonesia and Republic of Korea .

11.15 The normal value and export prices determined as detailed above are at ex-works level. Based on the methodology as discussed above, the dumping margins established for various exporters for different categories of Polyester Films are as under:

Sl. No.	Countries/Exporters	Grade of Films	Dumping Margin(%)
1.	<b>INDONESIA:</b>		
	M/s.PT Kolon	(A)	35.81
		(C)	146.63
	Other Exporters	(A)	196.97
		(C)	146.63
2.	<b>REPUBLIC OF KOREA :</b>		
	M/s.Kolon Industries Inc.	(A)	69.65
		(C)	Deminimus
	M/s. Toray Saehan Inc.	(A)	35.06
	and M/s. Saehan Industries	(C)	14.66
	Other Exporters	(A)	290.24
		(C)	173.92

**Grade (A)** refers to Packaging Films classified under Customs code 3920.6903.

**Grade(C)** refers to Films other than packaging/Sun/Dust Controlled classified under Customs Code 3920.6905.

**I. INJURY:**

**12.0** For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra. The Designated Authority has dealt with the injury and causal link between dumping and injury in the preliminary findings also, which is being relied upon. However, the various parameters indicating injury to the domestic industry are summarized as follows:-

- (a) The imports from the subject countries have increased in absolute terms.
- (b) The share of imports from the subject countries in relation to total imports has increased substantially, whereas the market share of the imports from other countries has significantly declined.
- (c) Significant increase in market share of the subject countries in demand in India.
- (d) There is a significant increase in the market share of the subject countries in the demand of polyester film in India.
- (e) Decline In Export Price: The export price from the subject countries has declined significantly.
- (f) Production And Capacity Utilization: The domestic industry has enhanced its capacity. This directly resulted in increase in the production. However, the increase in production (which resulted in decline in the incidence of overhead costs) has not helped the industry in improving its profitability.

Rather, the profitability of the domestic industry declined in view of the dumping resorted to by the exporters in the subject countries.

- (g) **Sales Volume:** Sales volumes of the domestic industry have also increased over the period. However, the domestic industry was faced with a situation of increasing losses with increasing sales volumes. The increased sales volumes have thus not helped the industry in improving its profitability. Rather, the domestic industry suffered heavily as a result of dumped imports.
- (h) **Sales Realization:** Material injury to the domestic industry is evident from the steep reduction in the selling prices which the domestic industry was forced to resort to as a result of dumped imports in the market. The selling prices of the industry have significantly declined. In spite of the decline in the selling prices, the dumped imports from the subject countries were significantly undercutting the prices of the domestic industry.
- (i) **Profitability:** The profitability of the domestic industry declined significantly as a result of dumped imports. Profitability of each of the participating companies declined very significantly over the period as a result of dumped imports, as noted from the information on unit cost of production, selling price and profit/loss.
- (j) The domestic industry has suffered material injury from the dumped imports.

**J. CAUSAL LINK:**

- 13.0 As noted in the preliminary findings and para on injury, the Authority notes that there has been significant increase in the quantum of imports of subject goods from Republic of Korea and Indonesia. Polyester Film has been exported to India from subject countries at a price below its Normal value. There has also been significant decline in export price from Republic of Korea and Indonesia. As a result of increase in quantum of imports from subject countries and decline in the export

price, the domestic industry was forced to reduce the domestic price of subject goods. The decline in the sales realization of domestic industry below the cost of production and non-injurious price for the domestic industry has resulted in severe financial losses to the domestic industry and has prevented the domestic industry from recovering reasonable return on its investments. The losses of domestic industry have increased in spite of increase in production and quantum of sales. Thus, the petitioner companies were able to sell subject goods in domestic market only at substantial losses. All these parameters cumulatively indicate that the petitioner companies suffered material injury due to dumped imports of subject goods from the subject countries.

**14.0 Indian Industry's Interest and other issues:**

- 14.1 The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping, which is in general interest of the country. It is recognized that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
- 14.2 To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove injury to the domestic industry, the Authority relied upon reasonable selling prices of subject goods in India for the domestic industry, by considering the



optimum cost of production at optimum level of capacity utilization for the domestic industry.

**K. CONCLUSIONS:**

15.0 After considering the foregoing, Authority concludes that:

- (a) Polyester Film originating in or exported from Republic of Korea, and Indonesia have been exported to India below normal value, resulting in dumping;
- (b) The Indian domestic industry has suffered material injury;
- (c) No injury has been caused as a result of imports of Sun Dust Controlled Polyester Film and Polyester Films for Capacitor applications (wherein the import prices were found to be higher than US \$ 6.50 per kg.) ; and
- (d) The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.

**16.0 ACCEPTANCE OF PRICE UNDERTAKING:**

One of the exporters, M/s. Toray Saehan had extended its willingness to offer price undertaking. The offer was examined in detail and the Designated Authority found that the undertaking offered by the exporter can be accepted since it eliminates the injurious effect of dumping. The exporter has agreed to provide all reasonable information which the Designated Authority considers relevant and necessary. The Designated Authority has accepted Price Undertaking from the exporter and accordingly no duties would apply in the case of exports from this company. However, in the case of any violation in the execution of this undertaking by the exporter, the duties, as set out in the preliminary findings, would provisionally apply, pending specific recommendations by

the Designated Authority in this regard. It is also clarified that this undertaking would apply only in case of exports made by this company directly to India. In case the goods are exported by some other company, the residual duty, as mentioned below, would apply, even if the same are the produce of this company.

The company has extended separate price undertaking for different types.

The undertaking amounts for category A & C are as mentioned below:

Category	Type of Polyester Film	Description		Undertaking Amount (US \$/Kg)
		Thickness	Length	
A	Packaging Films as per ITC 3920.6903	8 - 30 micron	6000 - 36000 mm	1.979
C	Polyester-Film excluding Packaging /Sun/Dust as per ITC 3920.6905	XA. 9 - 16 micron XV : 11 - 17 micron XG 16 - 32 micron	XA : 5000 - 15000mm XV 14000 - 17000mm XG . 500 - 6000mm	1.721

The undertaking price is the minimum landed price of imports. Landed value shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

17.0 It is considered necessary to impose definitive Anti-Dumping Duty, on all imports of Polyester Film originating in or exported from the Republic of Korea, and Indonesia. However, no duties would apply in case of exports from Toray Saehan, Republic of Korea, wherein Authority has accepted price undertaking given by the company. Further, no duties are required to be imposed on imports of Sun Dust Controlled Polyester Films and also no duties are required to be imposed on Polyester Films for Capacitor applications in case the import prices are reported to be higher than US \$ 6.50 per kg. and width upto 30mm and the importer adhere to the conditions as laid down under Customs (Import of Goods at Concessional Rate of duty for Manufacture of Excisable Goods) Rules, 1996. However, in case the

importers are not able to satisfy the conditions laid down under these Rules, Anti Dumping Duties, as set out for other types of Polyester Films under Category (C) below are required to be applied. The anti dumping duties payable are as given in the table below at column 4:

Sl. No.	Countries/Exporters	Grade of Films	Amount US \$ per kg.
1.	<u>2.</u>	3.	4
1.	<b>INDONESIA:</b>		
	M/s.PT Kolon	(A)	0.356
		(C)	0.477
	Other Exporters	(A)	0.710
		(C)	0.477
2.	<b>REPUBLIC OF KOREA:</b>		
	M/s.Kolon Industries Inc.	(A)	0.358
		(C)	Nil
	M/s. Toray Saehan Inc. and M/s. Saehan Industries	(A)	No duty covered under price undertaking
		(C)	
	Other Exporters	(A)	0.982
		(C)	0.614

**Grade (A) refers to** Packaging Films classified under Customs Classification code 3920.6903.

**Grade(C) refers to** Films other than packaging/Sun/Dust Controlled Classification classified under Customs Code 3920.6905.

- 18.0 Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B and 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

- 19.0 Subject to above, the Authority confirms the preliminary findings dated 14.08.2000 and corrigendum dated 6.11.2000.
- 20.0 An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act Supra.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority